



# University of Rajasthan Jaipur

## SYLLABUS

Ability Enhancement Course (AEC)

Hindi

(Three/Four Year Under Graduate Programme in Arts)

I & II Semester

Examination-2025-26

Rj / Jau  
अतिरिक्त कुलसचिव  
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर  
24

बी.ए./बी.एससी./बी. कॉम – प्रथम सेमेस्टर

सामान्य हिन्दी (व्याकरण)

2 क्रेडिट— 50 अंक  
प्रश्न पत्र— 40 अंक  
आंतरिक मूल्यांकन— 10 अंक

|                                      |                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
|--------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| उद्देश्य<br>(Objectives)             | 1. विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति कौशल विकसित करना।<br>2. हिन्दी भाषा को अधिक सशक्त और व्यापक बनाना तथा विद्यार्थियों में भाषा प्रयोग की क्षमता को विकसित करना।<br>3. शोध के लिए नवीन शैक्षिक दृष्टि की पृष्ठभूमि तैयार करना।<br>4. सृजनात्मक लेखन तथा आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना। |
| अधिगम प्रतिफल<br>(Learning Outcomes) | 1. भाषायी ज्ञान से अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण कौशल का परिमार्जन हो सकेगा।<br>2. हिन्दी व्याकरण का ज्ञान सृजनात्मकता में उपयोगी सिद्ध हो सकेगा।<br>3. भाषायी क्षमता से वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी का उन्नयन कर सकेंगे।<br>4. हिन्दी भाषा का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।          |

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड— अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 में इकाई 1 के भाग (क) एवं (ख) तथा इकाई 2 के भाग (क) एवं (ख) प्रत्येक से दो-दो प्रश्न कुल आठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा।

खण्ड— ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3 में इकाई 3 के भाग (क) एवं भाग (ख) से एक-एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 04 अंक का होगा।

खण्ड— स के अंतर्गत प्रश्न संख्या 4, 5, 6 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं जिसमें इकाई 4 के भाग (क) से दो प्रश्न (प्रत्येक 04 अंक) तथा भाग (ख) से एक प्रश्न (आंतरिक विकल्प सहित) 8 अंक का होगा।

इकाई—1

(क) शब्द निर्माण— उपसर्ग एवं प्रत्यय, संधि एवं समास।

(ख) शब्द के प्रकार— संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया-विशेषण।

#### इकाई-2

- (क) शब्द एवं वाक्यगत अशुद्धि संशोधन।  
(ख) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ अर्थ एवं वाक्य प्रयोग।

#### इकाई-3

- (क) संक्षेपण।  
(ख) पल्लवन।

#### इकाई-4

- (क) पत्र लेखन शासकीय एवं अर्द्धशासकीय पत्र, कार्यालय आदेश, अधिसूचना, ज्ञापन, अनुस्मारक निविदा का प्रारूप।  
(ख) निबंध लेखन (शब्द सीमा-400)

#### आंतरिक मूल्यांकन

राजस्थान के किसी ऐतिहासिक अथवा सांस्कृतिक स्थल की यात्रा पर विवरणात्मक लेख।

#### अनुशंसित ग्रंथ-

1. हिन्दी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु
2. हिन्दी की वर्तनी और शब्द विश्लेषण- किशोरी दास वाजपेयी
3. हिन्दी भाषा की संरचना- भोलानाथ तिवारी
4. अच्छी हिन्दी- रामचन्द्र वर्मा
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना- डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
6. हिन्दी का मानक स्वरूप - देवर्षि कलानाथ शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर
7. अनुप्रायोगिक हिन्दी- डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, अरुणोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम- द्वितीय सेमेस्टर

सामान्य हिन्दी (साहित्य)

2 क्रेडिट-50 अंक

प्रश्नपत्र-40 अंक

आंतरिक मूल्यांकन-10 अंक

|                                      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|--------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| उद्देश्य<br>(Objectives)             | <ol style="list-style-type: none"><li>1. यह नवीन पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में जिज्ञासा, कौशल और शोध को ध्यान में रखकर बनाया गया है जो न केवल इनको बढ़ावा देगा अपितु नवीन सृजनात्मकता के विकास में सहायक होगा।</li><li>2. साहित्यकारों के विचारों से परिचित होना तथा उनके दृष्टिकोणों को भावी पीढ़ी हेतु प्रभावी बनाना।</li><li>3. हिन्दी भाषा को अधिक सशक्त और व्यापक बनाना तथा भाषायी कौशलों को विकसित करना।</li><li>4. शोध के लिए नवीन शैक्षिक दृष्टि की भावभूमि तैयार करना।</li><li>5. सृजनात्मक लेखन के प्रति आकर्षण और पौढ़ता की भावना को अधिक सहज बनाना।</li></ol> |
| अधिगम प्रतिफल<br>(Learning Outcomes) | <ol style="list-style-type: none"><li>1. आधुनिक भारत के निर्माण में अनुशासन, सहयोग और समन्वय की भावना का विकास सम्भव हो सकेगा।</li><li>2. विद्यार्थियों में सामाजिकता और समरसता की भावना का विकास हो सकेगा।</li><li>3. लेखक/कवि की मूल भावना का विकास तथा समाजोपयोगी कार्य में गति आ सकेगी।</li><li>4. संस्कृति, धर्म और आदर्श के नवीन प्रतिमान स्थापित हो सकेंगे।</li><li>5. यथार्थ अनुभूति का समावेश तथा कल्पना का विस्तार सम्भव हो पायेगा।</li></ol>                                                                                                                 |

प्रश्नपत्र का अंक विभाजन

यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों (अ, ब, स) में विभक्त है।

खण्ड- अ के अंतर्गत प्रश्न संख्या 1 अतिलघूत्तरी प्रश्न है, जिसमें सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से 12 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 1/2 अंक का होगा।

खण्ड- ब के अंतर्गत प्रश्न संख्या 2, 3, 4, 5 सप्रसंग व्याख्या का है, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक अवतरण (एक पाठ से एक) कुल 04 अवतरण आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या हेतु पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न 03 1/2 अंक का होगा।

Dy. Registrar  
(Academics)  
3  
[Signature]

[Signature]  
[Signature]  
[Signature]

खण्ड— स अंतर्गत प्रश्न संख्या 6, 7, 8, 9 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, जिसमें प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा।

**इकाई—1 गद्य भाग**

कहानी : ईदगाह — प्रेमचन्द  
कहानी : उजाले के मुसाहिब — विजयदान देथा  
निबंध : नाखून क्यों बढ़ते हैं— हजारी प्रसाद द्विवेदी  
लेख : आज भी खरे हैं तालाब— अनुपम मिश्र

**इकाई— 2 गद्य भाग**

व्यंग्य : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर — हरिशंकर परसाई  
संस्मरण : शरत के साथ बिताया कुछ समय — अमृतलाल नागर  
रेखाचित्र : नीलू — महादेवी वर्मा  
डायरी : राष्ट्रपति राधाकृष्णन से भेंट, 8 जनवरी, कलकत्ता — रामधारी सिंह दिनकर

**इकाई 3 पद्य भाग**

कबीरदास — कबीर ग्रंथावली, संपादक श्याम सुन्दर दास

गुरुदेव को अंग प्रथम 5 साखियाँ

विरह को अंग प्रथम 5 साखियाँ

सूरदास— सूरसागर सार, संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा (कुल 05 पद)

चरण कमल बन्दौ हरिसाई

4  
Dy. Registrar  
(Academic)  
University of Rajasthan  
JAIPUR

यशोदा हरि पालने झुलावै  
खेलन में को काको गुसैया  
आयो घोष बड़ो व्यापारी  
संदेसो देवकी सों कहियो

तुलसीदास— श्रीरामचरितमानस — लंका काण्ड  
(रावनु रथी विरथ रघुवीरा... निज निज प्रभुआन।)

मीरा— पदावली, संपादक शंभुसिंह मनोहर  
बसो मेरे नैनन में नंदलाल (पद सं. 2)  
मेरो तो गिरधर गोपाल दूसरो न कोई (पद सं. 10)  
मैं तो साँवरे के रंग राची (पद सं. 11)  
मैं तो गिरधर के घर जाऊँ (पद सं. 12)  
माई री ! मैं तो लियो गोविन्दो मोल (पद सं. 13) —

#### इकाई 4 पद्य भाग

|                   |                                   |
|-------------------|-----------------------------------|
| मैथिली शरण गुप्त— | मातृभूमि                          |
| निराला —          | बादल राग—6, वह तोड़ती पत्थर       |
| अज्ञेय—           | हिरोशिमा, जो पुल बनाएँगे, साँप    |
| नागार्जुन—        | गुलाबी चूड़ियाँ, अकाल और उसके बाद |

#### आन्तरिक मूल्यांकन

राजस्थान के किसी हिंदी रचनाकार की साहित्य-साधना पर विस्तृत निबंध।